भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एक ट्रिलियन डालर के पार

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) प्रवाह अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 के दौरान 1,000 अरब डालर (एक ट्रिलियन डालर) को पार कर गया है। इससे वैश्विक स्तर पर सुरक्षित और प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में देश की प्रतिष्ठा को मान्यता मिलती है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के आंकड़ों के अनुसार इक्विटी, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी सहित एफडीआइ की कुल राशि इस अवधि के दौरान 1,033.40 अरब डालर रही। आंकड़ों के मुताबिक लगभग 25 प्रतिशत एफडीआइ मारीशस के जरिये आया। इसके बाद सिंगापुर (24 प्रतिशत), अमेरिका (10 प्रतिशत), नीदरलैंड्स (सात प्रतिशत), जापान (छह प्रतिशत), ब्रिटेन (पांच प्रतिशत), यूएई (तीन प्रतिशत) और केमैन आइलैंड्स, जर्मनी और साइप्रस की हिस्सेदारी रही। इस दौरान भारत को मारीशस से 177.18 अरब डालर, सिंगापुर से 167.47 अरब डालर और अमेरिका से 67.8 अरब डालर मिले। इनमें से ज्यादातर निवेश सेवा क्षेत्र, कंप्यूटर साफ्टवेयर और हार्डवेयर, दूरसंचार, व्यापार, निर्माण विकास, आटोमोबाइल, रसायन और दवा क्षेत्र में आया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार 2014 से भारत ने 667.4 अरब डालर (2014-24) का कुल एफडीआइ प्रवाह आकर्षित किया है, जो पिछले दशक (2004-14) की तुलना में 119 प्रतिशत अधिक है।

पिछले दस सालों में 667.40 अरब डालर का एफडीआइ आया, यह 2004-14 के दौरान आए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से 119% अधिक